उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

आचार्य–प्रथमवर्ष, सांख्ययोग सत्रीय पाठ्यक्रमः

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम पत्रम्– योगसूत्रम् (समाधिपादः)
विज्ञानभिक्षुकृत वार्तिकसहितम् – **80+20 अंकाः**

द्वितीय पत्रम् – योग सूत्रम (साधनपादः)
विज्ञानभिक्षुकृत वार्तिक सहितम् – **80+20 अंकाः**

तृतीय पत्रम्– सांख्यप्रवचन भाष्यम् (विज्ञानभिक्षुकृतम्)
(प्रथम, द्वितीय, तृतीयाध्यायाः) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थ पत्रम् – सांख्यप्रवचन भाष्यम् (विज्ञानभिक्षुकृतम्)
(तृतीय चतुर्थ अध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंकाः**

पंचम पत्रम् – सांख्यसारः (विज्ञानभिक्षुकृतम्) – **80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम पत्रम् – योगसूत्रम्–(विभूतिपादः) **– 80+20 अंकाः**
(विज्ञानभिक्षुकृतम्)

द्वितीय पत्रम् –योगसूत्रम् (कैवल्यपादः) **– 80+20 अंकाः**
(विज्ञानभिक्षुकृतम्)

तृतीय पत्रम् – सांख्य प्रवचनभाष्यम् (विज्ञानभिक्षुकृतम्)
(पञ्चमषष्ठाध्यायौ) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थ पत्रम्– योगसार संग्रहः (विज्ञानभिक्षुकृतम्) **– 80+20 अंकाः**

पंचम पत्रम् – श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनीटीका)
(द्वितीय तृतीयाध्यायौ) **– 80+20 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – पातञ्जलयोग सूत्रम् (वाचस्पति मिश्र कृतम्)
(तत्त्ववैशारदी टीका) समाधिपादः **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – पातञ्जलयोग सूत्रम् (वाचस्पति मिश्र कृतम)
(तत्त्ववैशारदी टीका) साधनपादः **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – सांख्यतत्वकौमुदी (प्रथमातः पञ्चविशंतिः कारिकापर्यन्ता)
वाचस्पति मिश्र कृता **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – विज्ञानामृतभाष्यम् (विज्ञानभिक्षुकृतम्) **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्– स्वशास्त्रीय निबन्धेतिहासः **– 80+20 अंकाः**

अथवा

लघुशोध प्रबन्धः (न्यूनतमः 50 पृष्ठात्मकः)

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – पातञ्जल योगसूत्रम्–(विभूतिपादः)
तत्त्ववैशारदी टीका–(वाचस्पति मिश्र विरचितां) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – पातञ्जल योगसूत्रम–(समाधिपादः)
तत्त्ववैशारदी टीका–(वाचस्पति मिश्र विरचिता) **– 80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम्– सांख्यतत्व कौमुदी–(26–70 कारिकापर्यन्ता)
तत्त्ववैशारदी टीका–(वाचस्पति मिश्र विरचिता) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् –भारतीय दर्शनेतिहासः **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् –वाक्परीक्षा **– 100 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।